रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 287] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 6, 2013/अग्रहायण 15, 1935
No. 287] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 6, 2013/AGRAHAYANA 15, 1935

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 2013

सं. 3/3/2013-पब्लिक.—भारत सरकार अत्यन्त दु:खपूर्वक यह उद्घोषित करती है कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता डॉ. नेल्सन आर. मण्डेला का 5 दिसम्बर, 2013 को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में निधन हो गया है ।

अनिल गोस्वामी, गृह सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th December, 2013

No. 3/3/2013-Public.— The Government of India announce, with profound sorrow, the death of Dr. Nelson R. Mandela, former President of South Africa and Bharat Ratna Awardee, on December 5, 2013 at Johannesburg, South Africa.

ANIL GOSWAMI, Home Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 2013

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th December, 2013

निधन सूचना

सं. 3/3/2013-पब्लिक.—दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति तथा भारत रत्न से पुरस्कृत डॉ. नेल्सन आर. मंडेला का निधन दिनांक 5.12.2013 को जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में हो गया ।

2. दिनांक 18 जुलाई, 1918 को जन्में डॉ. नेल्सन आर. मंडेला एक प्रख्यात रंगभेद-रोधी आंदोलनकारी तथा राजनेता थे जो 1994 से 1999 तक दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति पद पर आसीन होने वाले प्रथम अश्वेत अफ्रीकी व्यक्ति थे ।

3. फोर्ट हरे यूनिवर्सिटी तथा यूनिवर्सिटी ऑफ विटवाटरसरैण्ड में कानून के अध्ययन के दौरान, डॉ. नेल्सन आर. मंडेला रंगभेद-रोधी नीतियों में शामिल हो गए । उन्होंने अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस में भाग लिया तथा वे इसकी यूथ लीग के संस्थापक सदस्य बन गये । अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के 1952 के अवज्ञा आंदोलन से डॉ. नेल्सन आर. मंडेला की ख्याति बढ़ी । राजद्रोही गतिविधियों के लिए उन्हें बार-बार गिरफ्तार किया जाता रहा । 1962 में उन्हें गिरफ्तार किया गया तथा उन्हें तोड़-फोड़ एवं सरकार का तख्ता पलटने का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सज़ा दी गई। उन्होंने 27 वर्ष कारावास में बिताए । उनकी रिहाई के लिए चलाए गए एक अंतर्राष्ट्रीय अभियान के परिणामस्वरूप उन्हें 1990 में रिहा कर दिया गया । डॉ. मंडेला 1991-1997 तक अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष रहे । उन्होंने रंगभेद को समाप्त करने के लिए तथा 1994 में बहुजातीय चुनाव करवाने के लिए राष्ट्रपति एफ डब्ल्यू डी क्लार्क के साथ वार्ताओं का नेतृत्व किया । चुनाव के दौरान उनके नेतृत्व में अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस को जीत हासिल हुई । उन्हें राष्ट्रपति पद के लिए चुन लिया गया तथा राष्ट्रीय एकता वाली सरकार का गठन किया गया । राष्ट्रपति के रूप में उन्होंने एक नये संविधान की स्थापना की तथा भूमि सुधार, गरीबी से निपटने तथा विस्तारित स्वास्थ्य देखभाल विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए । उन्होंने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने से इंकार कर दिया तथा उनके स्थान पर उनके डिप्टी श्री थाबो म्बेकी को राष्ट्रपति बनया गया, एक वयोवृद्ध राजनेता हो जाने पर उन्होंने नेल्सन मंडेला फाउंडेशन के माध्यम से गरीबी तथा एच आई वी/एड्स का मुकाबला करने के लिए धमार्थ कार्यों की ओर ध्यान दिया । उन्हें उपनिवेशवाद-रोधी तथा रंगभेद-रोधी अपने पक्के इरादे के लिए अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई । उन्हें 250 से भी अधिक पुरस्कार प्राप्त हुए जिनमें 1993 का नोबल शांति पुरस्कार, 1990 का भारत रत्न पुरस्कार, संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रेज़ीडेन्शियल मेडल ऑफ फ्रीडम तथा सोवियत ऑर्डर ऑफ लेनिन मुख्य थे । दक्षिण अफ्रीका में उन्हें बहुत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था तथा उन्हें प्राय: "फादर ऑफ द नेशन" कहा जाता था ।

4. डॉ. नेल्सन आर. मंडेला का देहावसान दीर्घकाल से चले आ रहे फेफड़े के संक्रमण की वजह से जोहान्सबर्ग के उनके आवास पर हो गया । श्री मंडेला अपने पीछे अपनी पत्नी और तीन पुत्रियों को छोड़ गये हैं ।

OBITUARY

No. 3/3/2013-Public.— Dr. Nelson R. Mandela, former President of South Africa and a Bharat Ratna awardee passed away on 5-12-2013 at Johannesburg, South Africa.

2. Born on July 18, 1918 in South Africa, Dr. Mandela was a prominent anti-apartheid revolutionary and politician who was the first black South African to hold the office of the President of South Africa from 1994 to 1999.

3. While studying law at Fort Hare University and the University of Witwatersrand, Dr. Mandela became involved in anti-apartheid policies. He joined the African National Congress and became a founding member of its Youth League. He rose to prominence in the ANC's 1952 Defiance Campaign. He was repeatedly arrested for seditious activities. In 1962 he was arrested, convicted of sabotage and conspiracy to overthrow the Government and was sentenced to life imprisonment. He served 27 years in prison. An international campaign lobbied for his release which was granted in 1990. Dr. Mandela served as the President of the African National Congress from 1991 to 1997. He led negotiations with the President F. W. De Klerk to abolish apartheid and to hold multiracial election in 1994. In the election, he led the ANC to victory. He was elected President and formed a Government of National unity. As President, he established a new constitution and introduced measures to encourage land reform, combat poverty and expended health care sciences. He declined to run for a second term and was succeeded by his deputy Shri Thabo Mbeki, subsequently, becoming an elder statesman, focussing on charitable work in combating poverty and HIV/AIDS through the Nelson Mandela Foundation. He received international acclaim for his anti-colonial and anti-apartheid stance. He received over 250 Awards including the 1993 Nobel Peace Prize, 1990 Bharat Ratna Award, the US Presidential Medal of Freedom and the Soviet Order of Lenin. He was held in deep respect within South Africa and was often described as "the father of the nation".

4. Dr. Nelson R. Mandela passed away after a prolonged lung infection, at his home at Johannesburg. Shri Mandela is survived by his wife and three daughters.

अनिल गोस्वामी, गृह सचिव

ANIL GOSWAMI, Home Secy.

Printed by the Manager, Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.